सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, सोमवार, 24 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 313, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

देश के 53वें सीजेआई बने जस्टिस सूर्यकांत, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

इनसाइड जेल से हिस्ट्रीशीटर सबलू का आया फोन, 5 लाख... » Pg02

» Pg12

भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत...

जन्मदिन से 14 दिन पहले धर्मेंद्र का निधन

अलविदा ही-मैन

राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू, पीएम मोदी, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री सहित दिग्गज नेताओं-बॉलीवुड हस्तियों ने दी श्रद्धांजलि

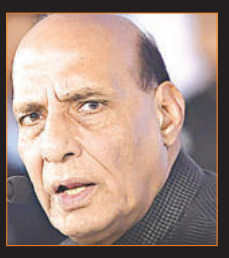

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया। मुंबई/नई दिल्ली। बॉलीवुड के हीमैन धर्मेंद्र को हिंदी सिनेमा प्रेमियों के लिए बेहद दुःखद खबर आई है। कई न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, धर्मेंद्र का निधन हो गया है। उन्होंने 89 साल की उम्र में अंतिम सांस ली है। सोशल मीडिया पर इस खबर ने उनके फैंस को तोड़ कर रख दिया है। किसी को यकनी नहीं हो रहा है कि धर्मेंद्र अब हमारे बीच नहीं रहे। अपने जन्मदिन से 14 दिन पहले ही धर्मेंद्र दुनिया को अलविदा करके चल बसे। उनके निधन पर अभिनेता-राजनेता शोक व्यक्त कर रहे हैं।

एक्टर पिछले दिनों अस्पताल में एडमिट हुए थे जिसके बाद उन्हें 12 नवंबर को डिस्चार्ज कर दिया गया था। तब से उनका इलाज घर पर ही चल रहा था। परिवार ने अपडेट दिया था कि वह रिकवर हो रहे हैं, लेकिन अब धर्मेंद्र के घर के बाहर एम्बुलेंस नजर आई थी। जबकि उनकी बेटी ईशा देओल को भी घर पर देखा गया था। जैसे ही ये खबर आई हर कोई हैरान रह गया। लोग एक बार फिर एक्टर की सेहत के लिए दुआ मांगने लगे थे।

धर्मेंद्र के घर के बाहर भी सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। धर्मेंद्र के घर से वीडियो लगातार सोशल मीडिया पर आ रहे हैं। यही नहीं, फैंस ने कमेंट सेक्शन में चिंता जतानी शुरू कर दिया है। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि धर्मेंद्र 31 अक्टूबर से मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती हुए थे, थोड़े समय पहले उनकी मौत की खबर भी आई थी जिसके बाद उनकी बेटी और पत्नी ने सभी खबरों पर विराम लगाते हुए कहा था कि वह स्वस्थ हैं और रिकवर हो रहे हैं। अब शमशान घाट के भी कुछ वीडियो सामने आ रहे हैं।

पवन हंस श्मशान घाट में होगा अंतिम संस्कार

रिपोर्ट्स की मानें तो एक्टर का अंतिम संस्कार मुंबई के विले पार्ले में स्थित पवन हंस श्मशान घाट में किया जाएगा।

पत्नी हेमा मालिनी का एक वीडियो भी सामने आया है, बताया जा रहा है वह पवन हंस श्मशान घाट के लिए निकली हैं। वहीं बेटी ईशा देओल को व्हाइट कपड़े में स्पॉट किया गया है। ताजा जानकारी के मुताबिक, धर्मेंद्र के बड़े बेटे सनी देओल मुखाग्नि देंगे।

करण जौहर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर खुद इस बात की पुष्टि की है। हालांकि, अभी तक परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इसी बीच सोशल मीडिया पर हेमा मालिनी, ईशा देओल, अमिताभ बच्चन और बॉलीवुड के तमाम सेलेब्स के पवन हंस श्मशान घाट पहुंचने के वीडियोज सामने आ रहे हैं। वहीं सेलेब्स भी सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर एक्टर को श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

धर्मेंद्र की आखिरी फिल्म का नाम 'इक्कीस' है। मेकर्स ने आज ही फिल्म 'इक्कीस' से उनका लुक जारी किया था। साथ ही एक्टर का एक वॉइस नोट भी शेयर किया था। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इसे भारतीय सिनेमा के लिए बड़ी क्षति बताया। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि कई दशक लंबे करियर में धर्मेंद्र ने अनगिनत यादगार भूमिकाएं निभाईं और अपने करिश्माई व्यक्तित्व से हिंदी फिल्मों के सफर को नई दिशा दी। राष्ट्रपति मुर्मू के अनुसार, धर्मेंद्र ऐसी विरासत छोड़कर गए हैं जो आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों को प्रेरित करती रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र को श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा, धर्मेंद्र जी का जाना भारतीय सिनेमा के एक युग का अंत है। वह सिर्फ एक महान अभिनेता नहीं थे, बल्कि ऐसी शख्सियत थे जिन्होंने हर भूमिका में अपनी सादगी, गहराई और अद्भुत आकर्षण भर दिया। अलग-अलग किरदारों को इतने दिल से निभाना ही उनकी खासियत थी, और यही वजह है कि वह करोड़ों लोगों के दिलों में बसते थे।

गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पर लिखा, अपने बेहतरीन अभिनय से 6 दशकों तक हर देशवासी के दिल को छूने वाले धर्मेंद्र जी का निधन भारतीय सिनेमा जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर लिखा, हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता और पूर्व सांसद धर्मेंद्र जी के निधन से अत्यंत दुःखी हूं। उन्होंने अपने बेजोड़ आकर्षण और ईमानदारी से कई यादगार किरदारों को जीवंत किया। भारतीय सिनेमा में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

लोकप्रिय फिल्म अभिनेता श्री धर्मेंद्र जी का निधन अत्यंत दुःखद एवं कला व फिल्म जगत की अपूरणीय क्षति है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को सद्गति तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

जेल से हिस्ट्रीशीटर सबलू का आया फोन, 5 लाख रुपये रंगदारी दो...

» पीड़ित ने अनवरगंज थाने में दर्ज कराई एफआईआर

» सबलू के गुर्गों ने 5 लाख रंगदारी वसूल भी कर ली

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा अनवरगंज थाने में दर्ज एफआईआर संख्या 95/2025 ने खुलासा किया कि शहर का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर एजाजुद्दीन उर्फ सबलू जेल के अंदर से ही रंगदारी का खेल खेल रहा था। सबलू कुछ दिन पहले वसूली के मामले में कानपुर जिला कारागार में निरुद्ध हुआ था। आरोप है कि जेल में बंद रहते हुए उसने अपने पुराने प्रतिद्वंदी हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद नावेद उर्फ शाहिद पिच्चा को अंदर ही डराया-धमकाया।

तहरीर के मुताबिक सबलू ने जेल से ही पिच्चा के परिजनों को कई बार फोन कर 5 लाख रुपये रंगदारी मांगी।

शाहिद पिच्चा के जीजा सनी मौरंग की पत्नी रहनुमा बानो द्वारा 16 नवम्बर को दर्ज करवाई गई एफआईआर में अक्टूबर के तीसरे सप्ताह में मिली कॉलों के नंबर और समय तक दर्ज हैं। आरोप है कि रंगदारी के लिए सबलू ने अपने गुर्गों शानू लफ्फाज, इरफान चूड़ी आदि को भेजकर पिच्चा के भाई सकलैन से रकम वसूली भी कराई। नामजद आरोपियों में से इरफान चूड़ी की गिरफ्तारी पुलिस पहले ही कर चुकी है। चौंकाने वाली बात यह है कि इतनी गंभीर शिकायत के बावजूद पुलिस उच्चाधिकारियों ने ना तो जेल से फोन कॉल के आरोपों को संज्ञान में लिया और न ही जेल प्रशासन को कोई सूचना दी। जबकि मामला दो कुख्यात हिस्ट्रीशीटरों की गैंग रंजिश से जुड़ा है और जेल सुरक्षा पर भी सवाल खड़े करता है।

जेल प्रशासन बोला 'मोबाइल नहीं, सिर्फ पीसीओ

कानपुर जिला कारागार अधीक्षक डॉ. बीडी पांडेय ने जेल में मोबाइल से कॉल करने के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि तहरीर दो हिस्ट्रीशीटरों की व्यक्तिगत दुश्मनी का हिस्सा है। उन्होंने दावा किया कि यूपी की जेलों में लैंडलाइन आधारित पीसीओ प्रणाली लागू है। बंदियों से दो नंबर लेकर उनका पुलिस वेरिफिकेशन कराया जाता है। सख्त निगरानी में एक बंदी को सप्ताह में अधिकतम तीन कॉल की अनुमति होती है। सीनियर क्रिमिनल लॉयर संजय मिश्रा कहते हैं कि जेल के अंदर से मोबाइल पर धमकी और वसूली जैसे आरोप बेहद गंभीर हैं। ऐसे मामलों में पुलिस को तत्काल सीबीसीआईडी जांच की संस्तुति करनी चाहिए, वरना आम आदमी सुरक्षित नहीं रहेगा। ध्यान रहे कि इससे पहले 8 अगस्त को कानपुर जेल से असरुद्दीन नामक हत्यारोपी दीवार फांदकर फरार हो गया था। इस लापरवाही के बाद जेलर, डिप्टी जेलर समेत कई अधिकारी सस्पेंड हुए थे और मामला डीआईजी जेल को जांच के लिए सौंपा गया। कानपुर की यह ताजा घटना न केवल जेल प्रशासन की सुरक्षा-व्यवस्था पर सवाल उठाती है।

दिल्ली धमाका | **आतंकी फंडिंग का जाल**

कानपुर में तीन एनजीओ से विदेशी लेन-देन के मिले सुराग

रायपुरवा की युवती से घंटों पूछताछ, एनजीओ खातों में विदेशी फंडिंग का खुलासा

» प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। दिल्ली में हुए धमाके और फरीदाबाद में भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद होने के बाद देश की जांच एजेंसियां अब कानपुर के आतंकी नेटवर्क को खंगालने में जुट गई हैं। एजेंसियां शहर में सक्रिय संदिग्ध लोगों, उनकी फंडिंग, बैंकिंग ट्रांजैक्शन और उनके नेटवर्क की पड़ताल तेज कर चुकी हैं। इसी दौरान शहर के संवेदनशील इलाकों में काम कर रहे तीन एनजीओ के बैंक अकाउंट संदिग्ध पाए गए, जिनके तार डॉ. शाहीन से जुड़े होने की संभावना जताई जा रही है।एजेंसियों की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि इन तीनों एनजीओ के खातों में कई संदिग्ध ट्रांजैक्शन हुए हैं। इनमें से कुछ लेन-देन विदेश से आया फंड भी शामिल है।

एजेंसियों को शक है कि इन खातों के जरिए किसी बड़े नेटवर्क के लिए आर्थिक मदद भेजी जा रही थी।अब जांच टीम इन एनजीओ से जुड़े लोगों के दस्तावेज, पासपोर्ट, बैंक डिटेल्स और पहचान पत्र खंगालने में जुट गई है। यह पता लगाया जा रहा है कि पैसा कहां से आया, किन-किन खातों में भेजा गया और किस उद्देश्य से फंडिंग की गई।जांच के दौरान एजेंसी ने रायपुरवा इलाके से एक युवती को हिरासत में लेकर कई घंटे पूछताछ की। युवती ने बताया कि वह एनजीओ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर 1300 रुपये पाती थी और उसका बैंक खाता भी एनजीओ द्वारा ही खुलवाया गया था।उसने दावा किया कि विदेश में रहने वाले लोग जरूरतमंदों की मदद के लिए उनके खातों में पैसे भेजते थे।

पूछताछ के बाद युवती को छोड़ दिया गया, लेकिन उसकी जानकारी अब जांच का हिस्सा है।एजेंसियां शहर के अतिङ्कसंवेदनशील इलाकों में लगातार सर्च और निगरानी अभियान चला रही हैं। इसके साथ ही पुरानी कारों का कारोबार करने वाले कुछ लोगों की गतिविधियों की भी जांच की जा रही है, क्योंकि कई बार ऐसे कारोबार का इस्तेमाल अवैध फंडिंग और आवागमन में किया जाता रहा है।सूत्रों का दावा है कि आतंकियों की योजना कई धमाकों को एक साथ अंजाम देने की थी और उन्हें शहर से भी मदद मिली। अब जांच एजेंसियां उन 卐मददगारों卐 तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। इनके पकड़े जाने के बाद आतंकी संगठन से जुड़े बड़े खुलासे होने की संभावना है।

केडीए से माया बिल्डर फर्म 'ब्लैकलिस्ट'

शताब्दीनगर स्थित एफार्डबल आवासों में फायर फायटिंग के 10 करोड रूपए के टेंडर में हेराफेरी पर कार्रवाई शुरू

» शासनस्तर पर हुई शिकायत के बाद सीडीओ द्वारा की गई जांच पूरी

» स्वराज इंडिया ने पूरे प्रकरण का किया था खुलासा, प्राधिकरण के कई इंजीनियर और अफसरों की भूमिका पर उठाए थे सवाल

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर।केडीए में ठेकेदार और अफसरों के गठजोड से माया बिल्डर फर्म ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र के आधार पर फायर फायटिंग के 10 करोड रूपए के टेंडर हथिया लिए थे। टेंडर में क्वालीफाइड फर्मों के संचालक ने मामले में आपत्ति जताई लेकिन मिलीभगत के चलते विभागीय सुनवाई नहीं हुई। मामले में शिकायत शासनस्तर पर हुई तो केडीए से रिपोर्ट तलब की गई लेकिन मामले का दबाने का प्रयास किया गया। वहीं, शासन ने जांच के लिए कमिश्नर कानपुर की निगरानी में सीडीओ को नामित किया। सीडीओ की जांच रिपोर्ट के आधार पर माया बिल्डर को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया।

27 फरवरी 2024 को प्रकाशित खबर

29 फरवरी 2024 को प्रकाशित हुई खबर

22 मार्च 2024 को प्रकाशित खबर

कहा जाता है कि सरकारी कागज कभी मिटता नहीं है। स्वराज इंडिया द्वारा माया बिल्डर के घोटाले का पर्दाफाश किया गया, कई खबरों की सीरीज लिखी गई लेकिन एक साल बीतने के बाद कार्रवाई शुरू होने से हलचल मच गई है। केडीए से मिले इनपुट के अनुसार सीडीओ कानपुर दीक्षा जैन की जांच रिपोर्ट शासन गई थी, वहां से केडीए पत्र पहुंचा इसके बाद प्राधिकरण से माया बिल्डर को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है।

वहीं, उसके द्वारा अबतक कराए गए कार्यो का आंकलन किया जाएगा। इससे अग्रिम कार्रवाई की जा सके।

माया बिल्डर को संरक्षण देने वालों की सांसे अटक गई हैं क्यों कि अब कार्रवाई का हंटर उन लोगों की ओर भी बढ सकता है। वहीं, माया बिल्डर से किए गए भुगतान की रिकवरी को लेकर कार्रवाई होगी।

कानपुर के पनकी निवासी दिनेश सिंह ने शासन में शिक़ायत भेज कर आरोप लगाया था कि शताब्दीनगर आवासीय योजना एवं जवाहरपुरम स्थित एफोडिबिल आवासों में फायर फाइटिंग सिस्टम लगाए जाने के लिए 20-08-2020 को टेंडर निकाला गया। इसमें एकता एलेक्टिकल्स, कृष्णा रेफ्रीजेशन, हर्ष कांस्टेक्शन, मे. माया बिल्डर्स, रॉयल मेरीडियन, सुकाई इंजीनियर्स सहित यूपी डेवलपर्स एंड कांस्टेक्शन फर्म ने प्रतिभाग किया। इनमें माया बिल्डर और

यूपी डेवलपर्स फर्म को क्वालीफाइ दिखाया गया। जिसके संचालक अश्वनी तिवारी बताए गए हैं। तत्कालीन मुख्य अभियंता डीसी श्रीवास्तव और केडीए लिपिकों की मिलीभगत से अनक्वालीफाइड फर्म माया बिल्डर्स को टेंडर आवटिंत कर दिया गया। जब कि उक्त फर्मों में कई अर्हताएं पूरी करती थीं लेकिन इसके बाद दी उनको रिजेक्टेड कर दिया गया। आरोप यह हैं कि मे0 माया बिल्डर ने कभी भी फायर फाइटिंग का कार्य भी नहीं किया।

बारात में बवाल: पूर्व और वर्तमान जिला पंचायत सदस्यों के बीच चली लाठी

गाड़ी हटाने को लेकर शुरू हुई बहस मारपीट में बदली, जनाती-बराती दौड़ा-दौड़ाकर पीटे गए

» मुख्य संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। रविवार रात नर्वल कस्बे में शादी समारोह के दौरान उस समय माहौल गरम हो गया जब गाड़ी हटाने को लेकर पाली जिला पंचायत सीट से वर्तमान जिला पंचायत सदस्य रविराज वर्मा और पूर्व जिला पंचायत सदस्य सांवले सोनकर के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। देखते ही देखते जनाती और बराती दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे से भिड़ पड़े और भगदड़ मच गई। घटना ज्योति लान के बाहर हुई, जहां नर्वल निवासी सांवले सोनकर अपने बेटे के साथ बाइक से गुजर रहे थे। रास्ते पर वर्तमान जिला पंचायत सदस्य रविराज वर्मा की थार कार खड़ी थी। कार हटाने को लेकर दोनों नेताओं के बीच कहासुनी हुई जो कुछ ही मिनटों में मारपीट में बदल गई।

मौजूद ग्रामीणों के अनुसार जनाती और बाराती दोनों तरफ से लाठी-डंडे चले और दौड़ा-दौड़ाकर पिटाई की गई। तीन लोग घायल हुए हैं।हंगामे के दौरान रविराज वर्मा की थार सहित कई गाडयिों के शीशे तोड़ दिए गए। मारपीट की आवाज सुनकर लान के अंदर अफरातफरी मच गई और लोग इधर-उधर भागने लगे।सूचना मिलते ही नर्वल थाना प्रभारी अखिलेश कुमार पाल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्हें देखते ही उपद्रवी फरार हो गए। दोनों पक्ष बाद में थाने पहुंच गए, हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी ने तहरीर नहीं दी थी।थाना प्रभारी ने बताया कि गाड़ी निकालने को लेकर विवाद हुआ, जिसमें दोनों जिला पंचायत सदस्यों के समर्थकों के बीच मारपीट हुई। तीन लोग मामूली घायल हैं। वाहनों में भी तोडफ़ोड़ हुई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बिल्हौर तहसील में रातभर रहा अफरातफरी का माहौल

रात दो बजे तक अफसरों की निगरानी में चलती रही एसआईआर फीडिंग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। एसआईआर पुनरीक्षण की डेडलाइन जैसे-जैसे पास आ रही है, बिल्हौर तहसील की पूरी मशीनरी रफ्तार पकड़ चुकी है। रविवार को सुबह से देर रात तक तहसील में ऐसा माहौल रहा, मानो पूरा अमला किसी आपात अभियान पर हो।

एसडीएम संजीव दीक्षित व तहसीलदार अनुभव चंद्रा खुद देर रात तक तहसील सभागार में डटे रहे। एक-एक प्रविष्टि की रफ्तार पर नजर रख ऑपरेटर लगातार सिस्टम पर बैठे और पूरी रात कंप्यूटर और मोबाईल स्क्रीनें चमकती रहीं। दूसरी तरफ दिनभर फील्ड में लेखपालों की कई टीमें लगी रहीं। रविवार के बावजूद चौबेपुर, शिवराजपुर, ककवन और बिल्हौर के वार्डों और गांवों में लेखपाल गली-मोहल्लों में दौड़ते रहे और बूथों पर जाकर बीएलओ से फॉर्म तत्काल जमा कराने को कहा।

प्रशासन का साफ निर्देश है कि भरे हुए फॉर्म बिना देरी सीधे बीआरसी कार्यालय में भेजे जाएं ताकि तुरंत सत्यापन और फीडिंग हो सके। अधिकारियों का दो टूक संदेश है कि काम बड़ा है और समय कमज लेकिन लक्ष्य हर हाल में पूरा होगा। पूरे दिन रात तक चली दौड़धूप ने पुनरीक्षण अभियान की रफ्तार और तेज कर दी है। अब अंतिम समय तक एक भी फॉर्म लंबित न रहे, इसी मोड में प्रशासनिक अमला काम कर रहा।

एसआईआर में कुछ बीएलओ का कार्यालय परसेंटेज फिसड्डी

बिल्हौर। एसआईआर फीडिंग की तेज रफ्तार के बीच तहसील से एक और चिंता की खबर सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक कुछ बीएलओ का कार्यालय परसेंटेज अन्य कर्मचारियों के मुकाबले बेहद फिसड्डी है। न तो लक्ष्य के हिसाब से फीडिंग हो रही है, न ही काम में वह गंभीरता दिख रही है जिसकी उम्मीद प्रशासन कर रहा है। सूत्र बताते हैं कि ऐसे बीएलओ की अलग से सूची तैयार की जा रही है और देर-सबेर इन पर सख्त कार्रवाई तय मानी जा रही है।

जहां अधिकारी और लेखपाल रात-दिन मेहनत कर रहे हैं, वहीं इन बीएलओ की धीमी गति ने समीक्षा बैठकों में नाराज़गी बढ़ा दी है। कई चेतावनियों के बावजूद इनका परफॉर्मेंस सुधरा नहीं और यही अब इनकी मुश्किलें बढ़ा सकता है।

बीईओ ने भी संभाला मोर्चा

रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद खंड शिक्षा अधिकारी रवी कुमार ने अपने स्टाफ और शिक्षकों के साथ सुबह से रात तक फीडिंग का काम कराया। जिसके चलते कार्यालय में दिन भर गहमागहमी रही। अधीनस्थ कर्मियों को भी समय से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए जाते रहे।

अनोखे निरीक्षण से हिली एसआईआर फीडिंग टीम

चौबेपुर ब्लॉक में एसआईआर फीडिंग का जायज़ा लेने पहुँचे तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने निरीक्षण का अंदाज़ ही बदल दिया। बीएलओ और सुपरवाइज़र के साथ ज़मीन पर बैठकर उन्होंने फीडिंग प्रक्रिया की हर बारीकी को परखा।

झमौके पर ही कमियों को इंगित करते हुए सुधार के निर्देश दिए। उनका यह सरल, ज़मीनी और सख्त निरीक्षण स्टाइल पूरे ब्लॉक में चर्चा का विषय बना हुआ है।इस दौरान लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष मोहित सचान समेत अन्य मौजूद रहे।

बीएलओ से फॉर्म लेने जा रहा लेखपाल दुर्घटना में घायल

बिल्हौर। बीएलओ से फॉर्म लेने जा रहे लेखपाल राघवेंद्र प्रताप सिंह को नानामऊ गांव के सामने जीटी रोड पर तेज रफ्तार बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में लेखपाल गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही लेखपाल संघ के महामंत्री सुनील चौधरी ने तुरंत एसडीएम को अवगत कराया। सूचना मिलते ही एसडीएम बिना किसी देरी के मौके पर पहुँचे और घायल लेखपाल को अपने साथ लेकर तुरंत अस्पताल गए और भर्ती कराया।

- डेडलाइन नज़दीक देख पूरे परिसर में रात भर चमकते रहे कंप्यूटर सिस्टम।
- लेखपालों की टीमें रविवार को गली-गली दौड़ीं।
- बीएलओ को फॉर्म जल्द जमा कराने का सख्त निर्देश
- अधिकारी बोले-लक्ष्य बड़ा, समय कम, हर हाल में पूरा करो।

साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम का स्मरण

वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर शिक्षक राजन लाल सम्मानित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की अद्वितीय वीरांगना झलकारी बाई की 195वीं जयंती भीमसेन स्थित डॉ. अंबेडकर पार्क में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. नवल किशोर कमल पूर्व उपनिदेशक लाल बहादुर शास्त्री गाना किसान संस्थान (उ.प्र.) उपस्थित रहे। मुंबई से आए शिव शंकर सिंह यादव मुख्य वक्ता तथा डॉ. जितेंद्र कुमार नाग, डिप्टी सीएमओ कन्नौज विशिष्ट वक्ता के रूप में कार्यक्रम में मौजूद रहे।

वीरांगना झलकारी बाई की जयंती के इस पावन अवसर पर स्वजातीय बंधुओं ने मुख्यमंत्री द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार प्राप्त सम्मानित शिक्षक राजन लाल तथा सीएसजेएम यूनिवर्सिटी, कानपुर द्वारा छह कुलाधिपति पदकों से अलंकृत प्रतिभाशाली छात्रा कोमल कमल को सम्मानित किया। समाज की ओर से दोनों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएँ प्रदान की गईं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने झलकारी बाई के अदम्य साहस, त्याग और राष्ट्रप्रेम को स्मरण करते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उपस्थित जनसमूह ने राष्ट्रनायिका की विरासत को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया और सामाजिक एकता, शिक्षा तथा महिला सशक्तिकरण के लिए मिलकर कार्य करने की प्रतिज्ञा भी ली।

बिल्हौर कस्बे के लोहिया नगर में नाराजगी उफान पर

सड़क से ट्रांसफॉर्मर हटाने और कूड़ा पॉइंट शिफ्ट करने की उठी ज़ोरदार मांग

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। कस्बे के लोहिया नगर के लोगों का गुस्सा इन दिनों चरम पर है। मुख्य मार्ग पर रखा ट्रांसफॉर्मर और उसी रास्ते के किनारे नगर पालिका द्वारा बनाया गया कूड़ा पॉइंट क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी परेशानी बना हुआ है।

पास में धार्मिक स्थल और पार्क होने के बावजूद लगातार कूड़ा डालने से यहाँ आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।सभासद सरताज अली, जीशान अंसारी, अर्शी और नगर वासियों के साथ क्षेत्र के लोगों ने एकजुट होकर सड़क से ट्रांसफॉर्मर हटाने तथा कूड़ा पॉइंट को तुरंत दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की है। उनका कहना है कि कूड़े की बदबू और गंदगी से पार्क में आने वाले बच्चों व बुजुर्गों के लिए माहौल असहनीय हो चुका है। वहीं धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालु भी दुर्गंध और गंदगी से परेशान हैं। निवासियों ने यह भी बताया कि कूड़े की बदबू से आकर्षित होकर मवेशी रोज़ यहाँ भोजन की तलाश में पहुँच जाते हैं। इससे सड़क पर फिसलन, अव्यवस्था और दुर्घटना जैसी स्थितियाँ पैदा हो जाती हैं। कई बार अचानक मवेशियों की हरकत से लोग चोटिल भी हो चुके हैं।

स्थानीय लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अब धैर्य की सीमा खत्म हो चुकी है। लोगों ने पूरे मामले की शिकायत सीधे एसडीएम बिल्हौर से ही की है और तत्काल कार्रवाई की मांग रखी है।

सम्पादकीय

लेकिन सुधारों का क्रियान्वयन बड़ी चुनौती

देश में यदि अंगदान हेतु जागरूकता व प्रेरणादायक राष्ट्रव्यापी मुहिम चलाई जाए तो हर साल हम लाखों ज़िंदगियां बचा सकते हैं। । वहीं कई अंधविश्वास और धार्मिक रूढ़िवादिता के चलते लोग अपने परिजनों के निधन पर अंगदान करने से परहेज़ करते हैं। विडंबना यह है कि देश में दशकों से इस मुद्दे पर चर्चा करने के बावजूद आज दस लाख लोगों पर सिर्फ़ 0.9 अंगदाता हैं, जबकि एक छोटे से देश स्पेन का उदाहरण लें तो वहां यह दर तीस से ज्यादा है। यही वजह है कि जागरूकता के अभाव में हर साल लाखों मरीज़ अंग प्रत्यारोपण के इंतज़ार में मर जाते हैं। वहीं कई अन्य लोग अंग प्रत्यारोपण न हो पाने के कारण जीवन पर्यंत विकलांगता का जीवन जीने को अभिशप्त रहते हैं। इस राष्ट्रीय चुनौती को महसूस करते हुए केंद्र सरकार ने सभी अस्पतालों को अपने आईसीयू में अंग और ऊतक दान को प्रेरित करने वाली टीमें तैनात करने के निर्देश दिए हैं। निश्चित रूप से यह ज़रूरी है और समय की मांग भी है। इस दिशा में दशकों से प्रयासरत राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन एनओटीटीओ ने अब हर अस्पताल से ब्रेन-स्टेम डेथ कमेटी के सदस्यों और परामर्शदाताओं वाली एक समर्पित टीम बनाने का आग्रह किया है, जो मृतकों के परिवारों को इस प्रक्रिया में भागीदारी के लिये मार्गदर्शन करेगी। यह एक ज़रूरी कदम है क्योंकि समय पर परामर्श, जागरूकता और समन्वय के अभाव में हम उपयोग में आने वाले अंगों के दान से वंचित हो जाते हैं। हम अक्सर देखते हैं कि जब तक शोकसंतप्त परिवारों से संपर्क किया जाता है, तब तक अंग या ऊतक की पुनर्प्राप्ति का रास्ता हमेशा के लिये बंद हो चुका होता है। निश्चित रूप से इस दिशा में सार्वजनिक शिक्षा और पारदर्शी व्यवस्थाएं इस विश्वास की कमी की खाई को पाट सकती हैं।

निस्संदेह, सरकारी निर्देश ही समस्या का समाधान नहीं है। कई अस्पतालों, ख़ासकर छोटे शहरों में, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों, प्रशिक्षित आईसीयू कर्मचारियों और यहां तक कि अंगों के संरक्षण और परिवहन के लिये बुनियादी ढांचे का भी नितांत अभाव होता है। इस दिशा में गंभीर पहल न हो पाने के कारण अंग प्रत्यारोपण के मामले में निजी क्षेत्र के अस्पताल ही अभी आगे हैं, जबकि सरकारी अस्पताल इस दिशा में पिछड़ गए हैं। सरकारी अस्पतालों में अंगदान करने के लिये शोकसंतप्त परिवारों को प्रेरित करने के लिये प्रशिक्षण, संसाधन जुटाने तथा प्रोत्साहन के लिये पर्याप्त आर्थिक संसाधन जुटाने की ज़रूरत है। जब वित्तीय मदद और अन्य सुविधाएं नहीं होंगी, तब सरकारी निर्देश भी इस दिशा में निष्प्रभावी रहेंगे। सबसे महत्वपूर्ण इस दिशा में लोगों का विश्वास अर्जित करना है।

उन्हें बताना होगा कि मृत देह का यदि किसी को जीवन देने के रूप में उपयोग हो पाए तो वह ऋषिकर्म जैसा होगा। फिर खो चुके परिजन के अंग को भी वे इस कार्य से किसी अन्य शरीर में जीवंत रूप में देख सकेंगे। निस्संदेह, यह एक पुण्य का कार्य है जो मृतक परिजन की आत्मा को भी शांति देगा। विडंबना यह है कि भारत में आज भी अंगदान के विचार के साथ कई तरह के मिथक, भय और गलत जानकारियां जुड़ी हैं, जिसके चलते मृत व्यक्ति के परिजन अंगदान की पहल से गुरेज़ करते हैं।

अल्पसंख्यक युवाओं में पनपते रोष पर विचार जरूरी

ज्योति मल्होत्रा

देश के बाहरी दुश्मन यानी पाकिस्तान पर सिक्योरिटी एजेंसियों की टोही नज़र हर वक्त रहती है। लेकिन अंदर पनपते गुस्से की वजहों पर भी गहराई से विचार करना जरूरी है। मसलन, कुछ अल्पसंख्यक युवा आतंकी कृत्यों की साज़िशें क्यों रच रहे और लाल किले के बाहर आत्मघाती क्यों बने। जबकि रोष जाहिर करने के लोकतांत्रिक ढंग भी हैं। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, यह कथन किसी और का नहीं बल्कि एक हफ़्ते पहले दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का है, जब वे पाकिस्तान से लगते उत्तरी अरब सागर के अलावा पश्चिमी मोर्चे पर तीनों सेनाओं के 'त्रिशूल' नामक समन्वित अभ्यास में प्रदर्शित 'क्रियान्वयन के उच्च स्तर' की प्रशंसा कर रहे थे। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि इंटेलिजेंस एजेंसियां जल्द ही लाल किले पर हुए आत्मघाती हमले की तह तक पहुंच जाएंगी, जिसमें 14 लोग मारे गए थे - तब से लेकर छह लोगों की गिरफ़्तारी हुई है।

इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, हो सकता है सीरिया और तुर्की जैसी जगहों से काम करने वाले इस्लामिक स्टेट की छद्म ताकत भारत के अंदरूनी आतंकवादियों को आतंक-प्रशिक्षण मॉड्यूल से जोड़ रही है। यह भी माना जाता है कि छह आतंकी आरोपियों में से एक, डॉ. शाहीन शाहिद, पाकिस्तान में अपने मुख्यालय वाले जैश-ए-मोहम्मद आतंकी गुट की भारत में उसके महिला विंग की मुखिया हैं।जरा इस बारे में सोचिए। ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है, जिसका मतलब है कि बाहरी दुश्मन यानी पाकिस्तान, भारत की सिक्योरिटी एजेंसियों की टोही नज़र में हर वक्त बना रहता है। लेकिन अंदर पनपते कट्टरपन का क्या? किस वजह से युवक-युवतियां, जिनमें से कई बहुत पढ़े-लिखे हैं, इतने गुस्से में हैं कि वे आत्मघाती बनने और देश में तबाही फैलाने को तैयार हो रहे हैं, खासकर तब जब अर्थव्यवस्था ठीक-ठाक रफ़्तार से बढ़ रही है?आइये, पहले अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ देखते हैं। भारत के दुश्मन, पाकिस्तान पर पश्चिम के ताकतवर देश न केवल मेहरबान हो रहे हैं बल्कि ट्रंप ने तो असीम मुनीर को 'मेरा पसंदीदा फील्ड मार्शल' तक बता डाला, इसी दौरान वे इस बात पर ज़ोर देते आए हैं कि न सिर्फ उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर में समझौता करवाया बल्कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें फ़ोन करके बताया कि 'हम पाकिस्तान के साथ जंग नहीं करने जा रहे हैं'ङ्क पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ अपने रिश्ते भी बहाल कर रहा है, वे संबंध जो 1971 के बाद से लगभग नदारद रहे।अब हम सब जानते हैं कि शेख हसीना और उनकी अवामी लीग जब तक सत्ता में थी, आईएसआई को बांग्लादेश से बाहर रखाङ्क यह कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। इसीलिए भारत ने इतने सालों तक अपनी ओर से ज्यादा चौकसी नहीं रखी, तब भी जब बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री ने अपने देश को सिक्योरिटी ज़ोन में बदल डाला, छात्रों के लोकतांत्रिक विरोध की ताकत का गलत अंदाज़ा लगाया और विपक्षी पार्टियों को पूरी तरह कुचले रखा था - लेकिन यह एक अलग कहानी है, जिस पर बात किसी और वक्त। सच तो यह है कि आज, आईएसआई की न केवल बांग्लादेश में वापसी हो चुकी है, बल्कि वह वहां अपनी मौजूदगी का खुलकर प्रदर्शन भी कर रही है और उच्चतम नेतृत्व तक उसकी सीधी पहुंच है। इतना ही नहीं, इस महीने की शुरुआत में, 54 साल में पहली बार, किसी पाकिस्तानी जंगी जहाज़ ने चटगांव बंदरगाह पर लंगर डाला।इसका मतलब है कि भारत को अपने पश्चिमी और पूर्वी, दोनों पार्श्वों पर, चौकन्ना रहना होगा। मानो देश के लिए बाहर से बनने वाली यह चुनौती भारत के लिए काफ़ी नहीं थी, सवाल यह कि भारतीय युवा अंदर से भी क्यों कट्टरपंथी बन रहे हैं, यह हमारे लिए और भी ज्यादा चिंता की वजह है। शायद एक लघु प्रश्नोतरी कुछ जवाब दे पाए।

360 डिग्री कैसे पलटे ट्रंप भारत आया अमेरिकी हथियारों का जखीरा

अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद

ज्वाला सिंह दास

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है।

भारत और अमेरिका के रिश्ते सुधर रहे हैं। भले ही धीरे-धीरे सुधर रहे हैं लेकिन अब जो गाड़ी है वो पटरी पर लौट रही है। सबसे पहले भारत अमेरिका से तेल खरीदना शुरू करता है। दूसरे नंबर पर रूस से तेल की खरीद कम करता है। खत्म नहीं करता है, बल्कि कम करता है। उसके बाद भारत बड़ी एलपीजी की डील अमेरिका के साथ करता है। अपनी जरूरत का 10ङ्क हिस्सा अब भारत अगले महीने से अमेरिका से खरीदेगा। उसके बाद सैन्य लेवल पर भी भारत जो है एक डील करता है। ये सारी चीजें चल ही रही होती हैं कि खबर आती है कि दिसंबर के आखिर तक भारत की और अमेरिका की जो ट्रेड डील है वो लगभगल लगभग पूरी तरीके से फाइनल हो जाएगी और दोनों देशों ने जो एक सपना देखा था कि 2030 तक 500 बिलियन डॉलर का व्यापार पहुंचाएंगे। द्विपक्षीय व्यापार होगा उस तरफ चीजें आगे बढ़ने वाली हैं। दरअसल, भारत अमेरिका ने एक साथ आकर एक बड़ा खेल कर डाला है। भारत अमेरिका के नए एक्शन से पाकिस्तान और चीन दोनों के होश उड़ चुके हैं। पाकिस्तान पहले ही भारत से

डरा हुआ है। हर पल उसे यही डर सोने नहीं दे रहा कि कब भारत पहले की तरह रात में सूरज उगा दे और उसी टेंशन को और भी ज्यादा बढ़ाने का काम कर दिया है। अब अमेरिका से सामने आई इस चिट्ठी ने।। जिसकी गोद में वो बैठने के ख्वाब हर दिन हर रात देख रहा था। उसी पाकिस्तान को अब भारत के साथ मिलकर जमीन में गाड़ने का काम अमेरिका ने कर दिया। दरअसल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के लिए बड़ा कदम उठाते हुए 9.3 करोड़ डॉलर के हथियार की बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि अमेरिका ने भारत को दुनिया की सबसे घातक एंटी टैंक मिसाइल सिस्टम में से एक जैवलिन मिसाइल देने का ऐलान कर दिया है जो कि पाकिस्तान के टैंकों के लिए काल है। भारत अमेरिका की डील में जैवलिन मिसाइल के अलावा स्मार्ट तोप गोला भी है।अमेरिका से आ रहा ऐसा ब्रह्मास्त्र, चीन-पाक के उड़े होश अमेरिका ने भारत को 818.4 करोड़ रुपए (93 मिलियन डॉलर) कीमत के एक्सकैलिबर गाइडेड आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल और जैवलिन एंटी-टैंक मिसाइल सिस्टम बेचने की मंजूरी दे दी है। एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और इसके उपकरणों की कीमत 414.48 करोड़ और जैवलिन मिसाइल सिस्टम और उपकरणों की कीमत करीब 402.16 करोड़ रुपए है। रूस से तेल खरीद की पैनल्टी के रूप में भारत पर लगाए गए 50ङ्क टैरिफ के बाद ये भारत की अमेरिका से पहली बड़ी रक्षा खरीद होगी। अमेरिका ने कहा है कि इस बिक्री से बड़े डिफेंस पार्टनर की सुरक्षा में सुधार होगा, जो दक्षिण एशिया क्षेत्र में राजनीतिक स्थिरता और शांति के लिए महत्वपूर्ण ताकत बना हुआ है। डिफेंस सिक्योरिटी कोऑपरेशन एजेंसी ने अमेरिकी संसद को बताया है कि भारत ने 216 एक्सकैलिबर टैक्टिकल प्रोजेक्टाइल और 100 एफजीएम-148 जैवलिन राउंड, एक जैवलिन एफजीएम-148 मिसाइल, फ्लाई-टू-बाय और 25 जैवलिन लाइटवेट कमांड लॉन्च यूनिट्स या जैवलिन ब्लॉक 1 कांड लॉन्च यूनिट्स खरीदने की इच्छा जताई है। भारत को इन हथियारों और डिफेंस सिस्टम को सेना में शामिल करने में कोई मुश्किल नहीं होगी। साथ ही इन रक्षा उपकरणों और सपोर्ट सिस्टम की बिक्री से क्षेत्र में बुनियादी सैन्य संतुलन में कोई बदलाव नहीं आएगा।

जातिवाद के विष को समाप्त करने की जरूरत: दत्तात्रेय होसबाले

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले रविवार को दो दिवसीय प्रवास पर महानगर पहुंचे। यहां उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व करने वालों के साथ बीएनएसडी शिक्षा निकेतन में बैठक की। कहा कि समाज के लिए जातिवाद अभिशाप की तरह है। जातिवाद के इस विष को जड़ से समाप्त करने की जरूरत है।

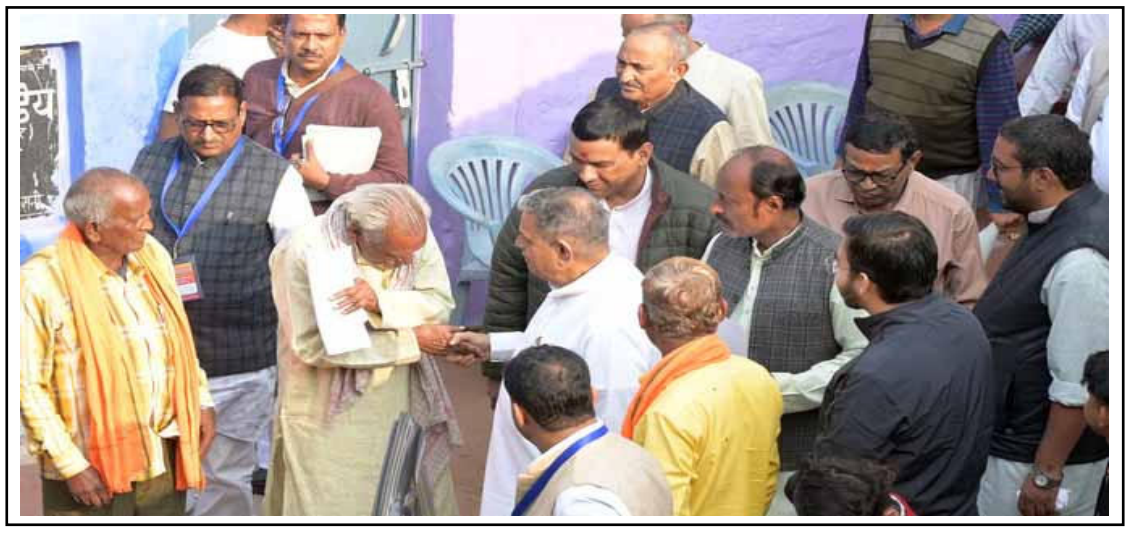

उन्होंने कहा कि इस दिशा में प्रत्येक व्यक्ति को प्रयास करना होगा तभी समाज में जातिवाद से हटकर एक ऐसा वातावरण पैदा होगा जहां लोग एक दूसरे को जाति से संबोधन न करें। बताया कि संघ के अंदर का वातावरण इसी तरह है। यहां वर्षों तक कार्यकर्ता एक दूसरे के साथ काम करते हैं लेकिन कोई किसी की जाति से परिचित नहीं होता है। वर्तमान समाज में इसी विचारधारा और वातावरण को बनाने की जरूरत है।

उन्होंने शताब्दी वर्ष में संघ की ओर से पंच परिवर्तन को लेकर किए जाने वाले कार्यों को की रूपरेखा बताई। कहा कि यह पंच परिवर्तन तभी आकार ले जाएगा जब संपूर्ण समाज के प्रत्येक व्यक्ति पंच परिवर्तन के नियमों का अपने जीवन में अनुसरण करेंगे। होसबाले ने कहा कि समाज नेतृत्व करने वाले यदि मिलकर अपने-अपने समाज व क्षेत्र में इस विषय को आगे बढ़ाएंगे तो सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्र उत्थान सुनिश्चित है। बैठक में प्रांत प्रचारक श्रीराम, प्रांत संघचालक भवानी भीख, सह प्रांत प्रचारक मुनीश, सह क्षेत्र अनिल श्रीवास्तव, प्रांत कार्यवाह रामकेश, प्रांत प्रचार प्रमुख डॉ. अनुपम, विभाग संघचालक श्याम बाबू गुप्ता, विभाग प्रचारक बैरिस्टर, प्रदीप निगम, प्रभात वर्मा, सुनील सोनकर, महेंद्र सिंह तोमर, सुनील तिवारी, सरवन आदि मौजूद रहे।

सर कार्यवाह ने बस्तियों के युवाओं को बांटे भारत माता के चित्र

सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने समाज के लोगों की बैठक के बाद बेनाझावर के समीप की बस्तियों में जाकर वहां रहने वाले युवाओं को भारतमाता के चित्र वितरित किए। इस दौरान उन्होंने युवाओं को संघ की विचारधारा से भी जोड़ा। शताब्दी वर्ष को लेकर किए जा रहे कार्यों के विषय में जानकारी दी।

संघ की ओर से देश भर में बस्तियों में रहने वालों को संघ की विचारधारा से जोड़ने का अभियान चल रहा है। इसके तहत आने वाले दिनों में भी लगातार आयोजन किए जाएंगे। दिसंबर से जनवरी तक पंच परिवर्तन के कार्यक्रमों के अलावा युवाओं को जोड़ने के लिए स्थानीय स्तर पर छोटे-छोटे युवा सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही बस्ती के लोगों को संघ की शाखा और उसके महत्व के विषय में भी उन्होंने बताया। शाम को उन्होंने प्रचारकों के साथ बैठक कर शताब्दी वर्ष में अभी तक किए गए कार्यों की समीक्षा की। सोमवार को वह सुबह पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे, शाम को मर्चेंट चैंबर में महिलाओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

नेग लेने को लेकर किन्नरों के दो गुटों में जमकर मारपीट, दोनों पक्षों ने दी तहरीर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चकेरी थाना क्षेत्र के सनिगवां इलाके में शनिवार रात शादी समारोह में नेग लेने को लेकर किन्नरों के दो गुटों में आपस में जमकर मारपीट हुई। दोनों पक्षों ने चकेरी थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सनिगवां के एक गेस्ट हाउस में देर रात शादी समारोह का कार्यक्रम चल रहा था। किन्नरों के दो पक्ष नेग लेने पहुंच गए। गेस्ट हाउस के बाहर दोनों पक्षों में नेग लेने को लेकर विवाद हुआ। पुलिस पहुंची और मामले को शांत कराया। रविवार को दोनों पक्ष चकेरी थाने पहुंचे। एक पक्ष की सनिगवां कांशीराम कॉलोनी निवासी रोली गुड़िया ने आरोप लगाया कि नौबस्ता निवासी काजल किन्नर अपने साथियों संग जबरन शादी में नेग लेने पहुंच गई। इसका विरोध किया तो साथियों के साथ मिलकर पीट दिया। रोली का आरोप है कि इससे पहले भी इसी बात को लेकर हुए विवाद में मारपीट कर चुके हैं।

वहीं, दूसरे पक्ष की काजल किन्नर ने आरोप लगाया कि वह अपने क्षेत्र में नेग लेने पहुंची थी लेकिन पहले से घात लगाए रोली गुड़िया समेत उनके साथियों ने हमला कर दिया। उनसे चेन, अंगूठी और 35 हजार रुपये लूट लिए। दोनों पक्षों ने मामले की तहरीर चकेरी थाने में दी। चकेरी थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

डेढ़ वर्ष से न्याय के लिए भटक रहे पीड़ित को हाई कोर्ट से जगी उम्मीद

हाई कोर्ट से 60 दिन में जवाब मांगे जाने के बाद साइबर थाना में मचा हड़कंप

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात के थाना अकबरपुर क्षेत्र औरैया रोड वार्ड नंबर 14 नेहरू नगर में(10853108 एक करोड़ आठ लाख तिरेपन हजार एक सौ आठ रुपये के कथित गोलमाल और सिक्का लेन-देन धोखाधड़ी के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। दो साल से अधिक समय से न्याय की दौड़ में भटक रहे पीड़ित को आखिरकार इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश से उम्मीद की किरण दिखाई दी है। कोर्ट ने इस मामले में 60 दिन में जवाब मांगा है।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित अहमद एंड संस कम्पनी निसार अहमद का दावा है कि सिक्कों के कथित सौदे के नाम पर उससे एक करोड़ रुपये से ज्यादा का गोलमाल किया गया।

इस मामले में थाना अकबरपुर के साइबर इंस्पेक्टर अब्दुल कलाम ने पहले चार संदिग्धों को पकड़ा था, लेकिन तीन को पूछताछ कर मौके पर छोड़ दिया गया। चौथे आरोपी को साइबर थाने लाने के बाद उसे भी बिना किसी कार्रवाई के छोड़ दिया गया इस मामले में साइबर इस्पेक्टर से बात की तो इस्पेक्टर अब्दुल कलाम ने कहा वो लोग बेकसूर थे पूछ ताछ करके छोड़ दिया। पीड़ित के मुताबिक पिछले दो वर्षों में उसने एसडीएम, एडीजी, सीएम, पीएम यहां तक कि राष्ट्रपति तक सभी से न्याय और कार्रवाई की गुहार लगाई, लेकिन मदद नहीं मिली। आखिरकार पीड़ित ने इलाहाबाद हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया, जहां से मिले आदेश के बाद मामला एक बार फिर सक्रिय हो गया। हाई कोर्ट के निर्देश के बाद साइबर थाना और स्थानीय पुलिस महकमे में हलचल मच गई है और मामले की फाइल दोबारा खोली गई और 60 दिन मे जवाब माँगा गया है।

रूरा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े लूट की वारदात !

» बातों में उलझाकर दिया वारदात को अंजाम

महिला से सोने के बाले छीनकर फरार हुए बदमाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र में अपराधियों के हौसले इस कदर बढ़े हुए हैं कि वे अब दिनदहाड़े वारदात को अंजाम देने से भी नहीं हिचक रहे। दो बाइक सवार अज्ञात लुटेरों ने खेत से घर लौट रही एक महिला को निशाना बनाकर उसके कानों से सोने के बाले छीन लिए और मौके से फरार हो गए। घटना से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।रोशनमऊ गांव निवासी राजा सिंह द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, उनकी बुआ लक्ष्मी देवी रविवार को खेतों से काम करके घर लौट रही थीं। इसी दौरान काली पल्सर बाइक पर आए दो युवक उनके पास रुके और रास्ता पूछने के बहाने बातचीत में उलझा लिया। मौके का फायदा उठाकर दोनों बदमाशों ने झपट्टा मारकर महिला के कानों से सोने के बाले छीन लिए। महिला जब तक कुछ समझ पाती, आरोपी बाइक लेकर फरार हो चुके थे।

शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीण

महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी काफी दूर निकल चुके थे। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, तलाश शुरू

रूरा पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और पीड़ित महिला से पूछताछ कर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।प्रभारी थाना प्रभारी अमित शुक्ला ने कहा कि घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्धों की पहचान कर जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

शादी समारोह में गए युवक की करंट से मौत, घर में मची चीख-पुकार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। सेन पश्चिम पारा में शादी समारोह में शामिल युवक करंट से झुलस गया। तत्काल परिजन हैलट लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान तड़के उसकी मौत हो गई। बिजली के खुले तारों की वजह से एक लाइन टेंट के पोल से छूने के कारण युवक की जान चली गई। परिवार में कोहराम मच गया।

तुलसिया गांव निवासी 30 वर्षीय प्रदीप कुमार टाइल्स पत्थर लगाने व घिसाई का काम करते थे।

परिवार में पत्नी आरती और दो बच्चे हैं। बड़े भाई संदीप ने बताया कि प्रदीप पड़ोसी इमलीपुर गांव में शनिवार रात राकेश की बेटी की शादी में शामिल होने गया था।

जहां रोशन व सजावट के बिजली के खुले तारों के कारण टेंट के पोल में करंट उतर आया।

उधर से निकलते समय प्रदीप का हाथ लोहे के पोल पर पड़ा तो करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गया। इससे समारोह में शामिल लोगों में अफरातफरी मच गई।

लोगों ने खुद को सुरक्षित करते हुए लाइन बंद कराई और परिजनों को हादसे की खबर दी। साथ ही प्रदीप को गंभीर अवस्था में तत्काल हैलट अस्पताल ले जाया गया।

जहां इलाज के दौरान रविवार तड़के उसकी मौत हो गई।

परिजनों में चीख-पुकार मच गई। सेनपश्चिम पारा थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। अगर देंगे तो तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में अब पड़ेगी ठिठुरने वाली सर्दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जल्द ही ठिठुरने वाली सर्दी पड़ने जा रही है। तापमान में गिरावट जारी है जो आने वाले दिनों में और तेज होगी। इस बीच अगले 4-5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट होना संभव है।

फिलहाल अलीगढ़, आगरा, कानपुर और अमेठी में मध्यम कोहरा दर्ज किया गया है। वहीं, राजधानी लखनऊ समेत अयोध्या, कुशीनगर, वाराणसी, आजमगढ़ और गोरखपुर में भी सुबह और रात का कोहरा पड़ने लगा है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश में मौसम फिर करवट ले रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि प्रदेश में ठंडी पछुआ और उत्तर-पश्चिमी हवाओं के प्रभाव से तापमान में शुरू हुई गिरावट आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है। बताया गया कि राज्य में कोई सक्रिय मौसम तंत्र न होने के कारण ठंडी हवाओं का प्रभाव दिख रहा है। अगले 4 से 5 दिनों के अंदर न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक की क्रमिक गिरावट होना संभव है।कुलमिलाकर नवंबर के आखिरी सप्ताह में उत्तर प्रदेश में जाडो की जोरदार दस्तक होने वाली है। तमाम इलाकों में लगातार पारा गिर रहा है तो वहीं कुछ स्थानों पर बारिश की संभावना भी बनी हुई है। इस हालात में मौसम विभाग ने लोगों से सुबह घर से निकलते वक्त सावधानी बरतने और धुंध के समय वाहन धीमी रफ्तार से चलाने की सलाह दी है। ठंडी हवाओं के चलते प्रदेश में अगले कुछ दिनों तक सुबह-शाम की ठिठुरन बढ़ना तय है।

स्वच्छ भारत मिशनः आरआरसी सेंटर बन गए, लेकिन शुरू नहीं कर पाए

जिले में दम तोड़ रही सरकारी योजनाएं, अफसर नहीं दे रहे ध्यान

» मीडिया के सवालों पर अफसर बजट का न होने का कर रहे दावा

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले के सभी ब्लॉक मुख्यालय के ग्राम पंचायतों में ज्यादातर आरआरसी सेंटर बनकर तैयार खड़े हैं। निर्माण के वर्षों गुजरने के बाद भी पंचायत में इनका संचालन नही हो पा रहा है। इससे गांवो में जगह-जगह गंदगी बिखरी पड़ी है। दुकानों के आसपास प्लास्टिक की बोतले पॉलिथीन गिलास व थर्माकोल के पत्तल एवं दोने आदि के फैले होने के कारण बरसात में नालिया चोक हो रही है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए बनी इन इमारत का संचालन नहीं हो पा रहा है इससे कूड़े कचरे का निस्तारण कागजों पर ही दिखाया जा रहा है। लाखों की इमारत के संचालन न होने से बदहाल हो रही है लेकिन जिले के अफसर इस पर नजर नहीं डाल रहे है।

केंद्र सरकार ने गांवो में ठोस एवं अपशिष्ट कचरे के प्रबंधन के लिए लाखों रुपए खर्च कर गांव गांव रिसोर्स रिकवरी सेंटर का निर्माण कराया है। लेकिन जिले में स्वच्छ भारत मिशन अभियान को गति देने के लिए पंचायत राज विभाग लापरवाही अपना रहा है। इससे गांव में लाखों रुपए खर्च कर निर्मित किए गए रिसोर्स रिकवरी सेंटर का संचालन नहीं हो रहा है। जिस गांव में गंदगी बिखरी पड़ी है। उसके निस्तारण के लिए प्रयास नहीं हो रहे हैं। गांव में सफाई कर्मियों की मनमानी के चलते जहां नालियां गंदगी से भरी पड़ी है। वही सचिवों लापरवाही की चलते गांव में घर-घर कूड़ा कलेक्शन कार्य शुरू नहीं होने से एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन केंद्रों का संचालन भी नहीं हो पा रहा है। इसमें बड़े पैमाने पर पंचायत विभाग की शिथिलता भी उजागर हो रही है। इससे गांवो में सूखे एवं गीले कचड़े को अलग अलग कर जैविक एवं वर्मी कंपोस्ट खाद बनाने की योजना भी विफल हो रही है। विकास खंड मलासा के, डीग, मोहम्मदपुर, तुर्कीमऊ, बमरौली, विजईपुर, वही सरमन खेड़ा के गोगुमऊ,रसूलाबाद क्षेत्र के मित्रसेनपुर कहिजरी मैथा क्षेत्र के हथिका, तातमऊ, शिवली, डेरापुर क्षेत्र के भड़ावल, , मुंगीसापुर, चिलौली, गलुआपुर, नुनारी सहित कई गावों में बने आरआरसी सेंटर बदहाल हो रहे है। जबकि लगातार शासन एवं जिला प्रशासन के अधिकारी समीक्षा बैठक कर इन्हे संचालित करने के निर्देश दे रहे है। इसके बावजूद आर आर सी सेंटरों का संचालन नही हो रहा है। इससे शासन की महत्वाकांक्षी योजना जिम्मेदारो की लापरवाही से मकसद से भटकती नजर आ रही है। इसको लेकर जिले की अफसर संवेदनहीन दिखाई दे रहे हैं रिसोर्स रिकवरी सेंटर के संचालन के प्रति ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। इससे पंचायत में लाखों रुपए की लागत से बनी यह इमारतें बेमकसद साबित हो रहे हैं। इससे स्वच्छ भारत अभियान योजना कानपुर देहात में दम तोड़ते दिखाई दे रही है।

> सभी पंचायत सचिवों को आरआरसी केंद्र संचालन के निर्देश दिए जा चुके हैं। इसके बाद भी कुछ सचिवों के द्वारा लापरवाही अपनाई जा रही है मामला संज्ञान में इस पर जल्द ही कार्यवाही की जायेगी।
> विकास पटेल, डीपीआरओ

पेड़ में गमछे के सहारे लटका मिला शव, नहीं हो सकी पहचान

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर क्षेत्र में एक अधेड़ का संदिग्ध परिस्थितियों में बबूल के पेड़ से गमछे के सहारे शव लटका मिला है।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है।

शव की अभी पहचान नहीं हो सकी है। घटना फतेपुर सीमा क्षेत्र के मंगलपुरवा निवासी सूबेदार यादव के खेत में हुई। सुबह शौचक्रिया के लिए गए ग्रामीणों ने शव देखा तो इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कालीचरन कुशवाहा ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। थाना प्रभारी कालीचरन कुशवाहा ने बताया कि शव के शिनाख्त के प्रयास कराए जा रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

संदिग्ध हालात में युवती ने लगाई फांसी

»स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में रविवार को एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अग्रिम कार्यवाही में जुट गई है।

मृतका की पहचान दीनदयाल नगर अहरौली शेख निवासी वीरेंद्र की 20 वर्षीय पुत्री मानसी के रूप में हुई है। मानसी ने रविवार को अपने घर के बने कमरे में पंखे के सहारे फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्यवाही की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादकः** अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

घूंघट की ओट में महिला प्रधान पति कर रहे उनके नाम पर काम

ग्राम पंचायतों में महिला प्रधान के हालात

» पंचायतों में कमजोर हो रहा महिला सशक्तिकरण का सपना

» विभागों की बैठकों में भी उनके पति या पुत्र ही शिरकत करते

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। केन्द्र व राज्य सरकारों ने भले ही नारी सशक्तिकरण के लिए कई नियम कानून व प्राविधान स्थापित किए हो लेकिन त्रिस्तरीय पंचायतों में नारी सशक्तिकरण पर नर हावी हैं। चुनाव के दौरान पत्नी को सामने कर उन्हें माननीय का दर्जा दिलाने के बावजूद कार्यक्षेत्र में उनका कोई हस्तक्षेप नजर नहीं आता है।

ग्राम पंचायत हो या क्षेत्र पंचायत, अधिकांश महिला माननीयों के स्थान पर उनके पति या पुत्र ही प्रधानी या सदस्यता के काम संभालते दिख जाते हैं।

एक ओर मिशन शक्ति व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ को गति देने के लिए जिला प्रशासन लगातार कोशिश कर रहा है लेकिन जिले में कई ऐसी ग्राम पंचायतें हैं जहां महिला ग्राम प्रधान होने के बावजूद उनके पति या पुत्र प्रधानी करते नजर आते हैं।

मजे की बात है कि न सिर्फ ग्राम प्रधान बल्कि बीडीसी एवं जिला पंचायत सदस्यों के मोर्चे पर भी लगभग यही हाल हैं। नारी सशक्तिकरण के प्रयासों को उस वक्त गंभीर झटका लगता है जब प्रशासन या दूसरे विभागों की तरफ से आयोजित होने वाली बैठकों में भी महिला जनप्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या पुत्र ही शिरकत करते हैं।

हालांकि उच्च स्तर पर इसमें कमी आई है। गांवों के लिए आने वाली योजनाओं में निरीक्षण, समीक्षा एवं दूसरे कार्यों की।

अफसर भी हैं बराबर के भागीदार

जनता द्वारा चुनी गई महिला जनप्रतिनिधि के स्थान पर उनके पति या पुत्र द्वारा कार्यभार संभाले जाने के पीछे अफसरों का भी बड़ा हाथ हैं। बीते सालों में ब्लॉकों या जिला मुख्यालय के अन्य दफ्तरों में आयोजित बैठकों में अफसर चुनी गई प्रतिनिधि के स्थान पर उनके पतियों को भी खासी तवज्जो दी गई। सूत्र बताते हैं कि महिला जनप्रतिनिधियों के मुकाबले उनके पतियों से हर तरह की बात की जा सकती है इसलिए अफसर महिला माननीयों की तस्दीक या पूछताछ नहीं करते हैं।

वित्तीय मामलों में भी बनाते है साइन

सूत्र बताते हैं कि बैंक या वित्तीय मामलों में भी पति या उनके पुत्र ही हस्ताक्षर बनाते हैं। जबकि खाता परिवर्तन या नए खातों के खुलने के दौरान चुने गए प्रतिनिधि के ही हस्ताक्षर होने चाहिए। बताया जाता है कि खाता परिवर्तन के समय तो प्रतिनिधि के वास्तविक कई ऐसे मामले सामने आए हैं लेकिन बाद में बैंक कर्मियों की मिलीभगत से सब समझ लिया जाता है।

संविधान संशोधन की भावना पर चोट

भारतीय संविधान के 73वें संविधान संशोधन के जरिए नारी सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया है। इसके जरिए पंचायतीराज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया। राज्य में पंचायत सम्बन्धी विधेयक को 22 अप्रैल 1994 को लागू कर दिया था। इसके बाद जागरूकता बढ़ी है।

नातिया मुशायरा में शब्बीर बरकाती ने आवाम को किया बेदार

ऑल इंडिया नातिया मुशायरा में शायरों ने पढ़े उम्दा कलाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद के हजरत गुलपीर शाह रहमतुल्लाह अलैह का 57 वाँ सालाना उर्स हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। जिसको लेकर जहां पहले दिन जश्न ए ईद मिलादुन्नबी हुआ तो दूसरे दिन ऑल इंडिया नातिया मुशायरा का आयोजन किया गया। जहां प्रदेश सहित पूरे भारत देश से आए मशहूर शायरों ने एक से बड़कर एक उम्दा नातिया कलाम पेश किए। वहीं शायर शब्बीर बरकाती के कलाम सुनकर मजमा झूम उठा।

गंगा जमुना तहजीब की मिसाल रखने वाले रसूलाबाद कस्बे में गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सालाना अजीमुश्शान हजरत गुलपीर शाह रहमतुल्लाह अलैह का उर्स मुबारक धूमधाम से मनाया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को हजरत गुलपीर शाह रहमतुल्लाह अलैह के ग्राउंड में दूसरे दिन ऑल इंडिया नातिया मुशायरा का आयोजन हुआ। मुशायरा की निजामत कर रहे नकीब ए अहले सुन्नत जनाब हलचल शिवानी साहब कोलकाता ने शायरों को माइक पर बुलाना शुरू किया।

जहां कोलकाता की सरजमीं से आए शायर ए इस्लाम शम्स ने प्यारे आका की शान में कलाम पेश किया तो हजरत इमाम हुसैन व हसन हुसैन की नात भी पढ़ी। वहीं शायर ए इस्लाम मौलाना मोहम्मद अली चतुर्वेदी राजस्थान ने ख्वाजा गरीब नवाज की शान में कलाम पढ़ा तो मजमा बेदार हो गया। जबकि जिसका सबसे ज्यादा आवाम मुंतजिर होकर इंतजार कर रही थी शायर ए इस्लाम शब्बीर बरकाती ने मजमें इश्क ए रसूल में डुबो दिया। इश्क मोहब्बत, इश्क मोहब्बत आला हजरत आला हजरत हम बरेली वाले हैं कलाम पढ़ा। इसके अलावा उन्होंने अल मदद पीराने पीर, गौसे आजम दस्तगीर कलाम पढ़ा। देर रात तक नातिया मुशायरा चला रहा इसके बाद फजिर की नमाज से पहले सलाम के साथ मुशायरे का समापन हुआ। इस मौके पर हाफिज इसराईल, हाफिज फरहान रजा,हाफिज नवाज शरीफ, हाफिज साजिद खान,हाफिज शाहिद कुरैशी, असीम खान, तारिक वारसी, बादल मंसूरी सहित कई लोग मौजूद रहे। वही उर्स में मुख्य चौराहे पर बनने वाला प्रवेश द्वार चर्चा का विषय रहा। जिसे देखने के लिए लोग उर्स के गेट के आसपास नजर आए और मोबाइल से सेल्फी और रील बनाते दिखे।

सेवा संस्था के नेत्र शिविर में 50 से अधिक मरीजों की जांच

» 10 मोतियाबिंद मरीज चिन्हित

» 6 मरीज भेजे गए ऑपरेशन के लिए, 4 का बाद में होगा उपचार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सेवा संस्था की ओर से आयोजित नेत्र शिविर में रविवार को 50 से अधिक मरीजों ने आंखों की जांच कराई। शिविर में कुल 10 मरीज मोतियाबिंद से पीड़ित पाए गए। इनमें से 6 मरीजों को तत्काल उपचार हेतु अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी 4 मरीजों का बीपी और शुगर स्तर बढ़ा होने के कारण उनका ऑपरेशन बाद में किया जाएगा।शिविर में नेत्र परीक्षण आर.के. देवी अस्पताल के प्रमुख नेत्र विशेषज्ञ डॉ. अवध दुबे ने किया। उनके साथ डॉ. आशुतोष त्रिपाठी ने पर्दे की जांच की। टीम के हर्षित, सचिन और अन्य सहयोगियों ने विजन टेस्ट कराया। सभी चिन्हित मरीजों का मौके पर ही बीपी और शुगर की जांच की गई।सेवा संस्था की सचिव/संस्थापक कंचन मिश्रा ने बताया कि पुखराया स्थित आर.के. देवी सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल में कल 6 मरीजों का मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। ऑपरेशन के एक दिन बाद मरीजों को घर भेज दिया जाएगा।शिविर के सफल संचालन में संस्था के सदस्य मुकेश पुरवार, सुनील पांडे, धीरू अवस्थी, सूर्यांश पुरवार, सलमान, संध्या पांडेय, अर्चना पुरवार, अंजली अवस्थी, घनश्याम मिश्रा, पिंटू, मुन्ना, सेजल और नेहा सहित अन्य लोग सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

लंदन में रह रहे मौलाना को मदरसा शिक्षक की सैलरी देने पर बड़ी कार्रवाई

» भारत की नागरिकता छोड़ने के बाद भी बांटे गए करोड़ों रुपयों में सरकारी सेलरी और अन्य देयक

शासन ने की सख्त कार्रवाई, आज़मगढ़ जिले के 4 अफसर निलंबित

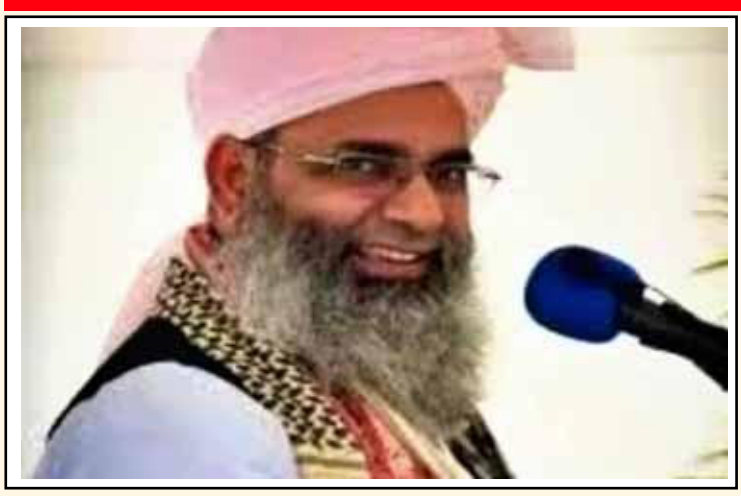

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ/आज़मगढ़।भारत की नागरिकता छोड़कर लंदन में बैठे मौलाना शमशुल हुदा खान को झूठे दस्तावेजों और मिलीभगत के जरिए मदरसा शिक्षक के रूप में वर्षों तक वेतन, जीपीएफ और पेंशन दिलाने वाले अफसरों पर शासन ने बड़ी कार्रवाई कर दी है। करोड़ों रुपए के अनियमित भुगतान और गंभीर सुरक्षा संदेहों के खुलासे के बाद आज़मगढ़ में 2014 से 2017 तक तैनात रहे चार जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है।

निलंबित अधिकारियों में अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के वर्तमान ज्वाइंट डायरेक्टर शेषनाथ पांडे, गाजियाबाद के साहित्य निकश सिंह, अमेठी के प्रभात कुमार और बरेली में तैनात डीएमडब्ल्यूओ लालमन शामिल हैं।संत कबीर नगर के खलीलाबाद निवासी मौलाना शमशुल हुदा खान ने 19 दिसंबर 2013 को भारत की नागरिकता छोड़कर ब्रिटेन की नागरिकता ले ली, लेकिन इसके बावजूद वह आज़मगढ़ स्थित मदरसा अशरफिया मिस्बाह-उल-उलूम में जुलाई 2017 तक सरकारी वेतन लेता रहा।

यह खुलासा विभागीय स्तर पर गहरी मिलीभगत की ओर सीधे इशारा करता है।

मौलाना ने वीआरएस लेने के बाद जीपीएफ और पेंशन तक निकलवाकर सरकार को चूना लगाया। एडीएम प्रशासन, आज़मगढ़ की जांच में 16.59 लाख की रिकवरी का आदेश दिया गया था।एटीएस की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा—पाकिस्तान तक जा चुका, संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त!

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की रिपोर्ट के आधार पर यूपी एटीएस की वाराणसी यूनिट ने बताया कि मदरसा शिक्षक रहते हुए शमशुल हुदा ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर, श्रीलंका और कई बार पाकिस्तान तक गया।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि उसके पाकिस्तान और कश्मीर के कई लोगों से घनिष्ठ संबंध हैं।

एटीएस ने उसकी गतिविधियों को पूरी तरह संदिग्ध बताया।

इसी रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए संत कबीर नगर के खलीलाबाद में शमशुल हुदा खान पर एफआईआर दर्ज करवाई गई थी।

शासन ने स्पष्ट माना कि विदेशी नागरिक को सरकारी वेतन जारी करना गंभीर राजकीय लापरवाही और आपराधिक मिलीभगत है। इसी आधार पर चारों अधिकारियों को निलंबित किया गया है।

सूत्र बताते हैं कि प्रकरण में आगे वसूली, विभागीय दंड और मुकदमा चलाने तक की कार्रवाई हो सकती है। सरकार ने संकेत दिया है कि राजकोष को नुकसान पहुंचाने और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

हरदोई के डीएम-एसपी ने सीएम योगी से की शिष्टाचार भेंट

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ।यूपी पुलिस की सख्त और पारदर्शी छवि को मजबूती देने वाले वर्ष 2015 बैच के चर्चित आईपीएस अधिकारी एवं हरदोई के पुलिस कप्तान अशोक मीणा ने रविवार को जिलाधिकारी अनुनय झा के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर शिष्टाचार भेंट की। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को भगवान कृष्ण की प्रतिमा भेंट की।

मुख्यमंत्री ने हरदोई में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चल रहे अभियानों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था को जिस मजबूती से लागू किया गया है, वह प्रशंसनीय है। मुलाकात के दौरान कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों और जिले से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। सीएम योगी ने दोनों अधिकारियों को इसी तरह कड़ाई और संवेदनशीलता के साथ जनहित में कार्य जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

परंपरागत पशु मेले का पालिकाध्यक्ष ने विधिवत किया शुभारंभ

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कासगंज: मेला मार्गशीर्ष के साथ ही परंपरागत ढंग से लगने वाला शिवराज पशु मेले का शनिवार को पालिकाध्यक्ष ने झंड़ी गाढ़कर शुभारंभ किया। मेले के दौरान पंजाब, राजस्थान, एमपी, हरियाणा, बिहार के पशु व्यापारी पहुंचे हैं। अपने मवेशियों को भी साथ लाए हैं। करीब एक माह तक एक से बढ़कर एक लाखों रुपये की कीमत के घोड़े, घोड़ियों की खरीद बिक्री होगी।लहरा मार्ग पर शुरू हुआ शिवराज पशु मेला में मवेशियों की व्यापारी खेप लेकर पहुंचे हैं। शनिवार को बड़ी तादात में विभिन्न प्रकार के घोड़े और घोड़ी मेले में शामिल हुए हैं। इनमें जिला कन्नौज से आई रानी की कीमत नौ लाख रुपया बताई जा रही है। रानी का रंग गुलाबी, आंखे मनमोहक हैं। पशु व्यापारियों के बीच आकर्षण केंद्र बनी हुई है। रानी के मालिक मोहम्मद रब्बानी खान का कहना है कि उन्होंने बचपन से पाला है। सवार होते ही सरपट दौड़ती है।

धान खरीद में सिस्टम की सुस्त चाल, किसान हो रहे बेहाल

» 68 क्रय केंद्र खुले, अब तक 1097 मीट्रिक टन खरीदा जा चुका

» रेट तय होने के बाद भी फॉर्म और फार्मूले में अटका अन्नदाता

रजिस्ट्रेशन की पेचीदगियों में फंसी सरकारी खरीद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। जिले में धान खरीद की आधिकारिक प्रक्रिया 1 नवंबर से शुरू हो चुकी है और यह 28 फरवरी 2026 तक चलेगी। सरकार ने जिले में 68 क्रय केंद्र स्थापित किए हैं। अब तक 350 किसानों से 1097 मीट्रिक टन धान खरीदा जा चुका है।सरकारी दरें भी तय कर दी गई है, जिसके अनुसार कॉमन धान 2369 रुपये प्रति क्विंटल ग्रेड-ए धान- 2389 रुपये प्रति क्विंटल लेकिन असली दिक्कत कीमत नहीं, पंजीकरण व्यवस्था है,

जहां किसान सबसे ज्यादा फंस रहे हैं। ऑनलाइन-ऑफलाइन फॉर्म, सत्यापन और दस्तावेज़ों की उलझन ने कई किसानों को समय पर बिक्री से वंचित कर दिया है।

सरकारी मशीनरी धान खरीद का ढोल पीट रही है, लेकिन गांवों के पगडंडियों से लेकर क्रय केंद्रों तक किसानों की एक ही पुकार है धान तैयार है, पर पंजीकरण में ही दिन निकल जा रहे हैं। कई किसान केंद्रों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन अधूरा पंजीकरण या तकनीकी त्रुटि के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है। कई ग्रामसभा क्षेत्रों में नेट कनेक्टिविटी भी बाधा बन रही है। किसानों की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए प्रशासन ने टोल-फ्री नंबर जारी किए हैं और जिला खरीद

नियंत्रण कक्ष की व्यवस्था

कार्यकाल – 28 फरवरी 2026 तक अवकाश के दिनों में भी

समय – सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक

ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी- अजय कुमार भारती 7839565049, विजय कुमार मौर्य 8707308272

स्वराज इंडिया सवाल उठाता है

क्या पंजीकरण प्रक्रिया को जिले भर में सरल और पारदर्शी बनाया गया?

ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी सहायता की क्या व्यवस्था है?

क्रय केंद्रों पर तैनात कर्मचारियों की जवाबदेही तय होगी या नहीं?

– क्या नियंत्रण कक्ष वाकई किसानों की आवाज़ सुनेगा?

अधिकारी के पर्यवेक्षण में खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय में धान खरीद नियंत्रण कक्ष बनाया है।

धर्मध्वजा समारोह में शंकराचार्यों को न्योता न मिलने से उठ रहे सवाल

» शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा मनमाना अनुष्ठान शास्त्रसम्मत न हो तो शामिल होने का सवाल ही नही उठता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राममंदिर के लिए तैयार की गई धर्मध्वजा जन्मभूमि पहुंच गई है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राममंदिर के 191 फीट ऊँचे शिखर पर पहली बार यह ध्वजा फहराएंगे। समारोह में शंकराचार्यों को आमंत्रित न किए जाने पर सवाल खड़े हो गए हैं। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि शिखर की प्रतिष्ठा के बिना ध्वजा फहराना परंपरा के अनुरूप नहीं है।

उनका कहना है कि जब शिखर की प्रतिष्ठा की घोषणा ही नहीं हुई, तो मनमाने अनुष्ठान में शामिल होने का अर्थ नहीं है। समारोह में उन 100 प्रमुख दानदाताओं को बुलाया गया है जिन्होंने राममंदिर निर्माण में दो करोड़ रुपये से अधिक दान दिया था। अयोध्या, लखनऊ और आसपास के 25 जिलों के किसानों व स्थानीय लोगों को भी

आमंत्रित किया गया है। धर्मध्वजा को गुजरात में 6 कारीगरों ने 25 दिन में तैयार किया है। यह 11 फीट चौड़ी और 22 फीट लंबी त्रिस्तरीय ध्वजा है।

इसका रंग सूर्योदय की लालिमा जैसा केसरिया है। ध्वजा पर सूर्यदेव, ? और कोविदार वृक्ष के चिह्न अंकित हैं। इसे विशेष पैराशूट कपड़े और रेशमी धागों से बनाया गया है। शिखर की ऊंचाई को देखते हुए मजबूत नायलॉन डोरी का उपयोग किया गया है।

प्रधानमंत्री का हेलिकॉप्टर साकेत महाविद्यालय में उतरेगा। सेना ने 23 नवंबर को यहां रिहर्सल किया। हेलिकॉप्टर से जन्मभूमि परिसर और आसपास के क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया गया। अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। एसपीजी, एटीएस, एनएसजी, सीआरपीएफ और पुलिस बल तैनात हैं। बम और डॉग दस्ता लगातार जांच में जुटा है। प्रवेश द्वारों को सजाया गया है और शहर में झालरों व पौधों से सुंदरता बढ़ाई गई है।

पत्रकारों के साथ पुलिसकर्मियों का व्यवहार ठीक नहीं

स्वराज इंडिया न्यूज यूरो

अयोध्या। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 नवंबर के प्रस्तावित दौरे को लेकर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत सख्त कर दी गई है, लेकिन इसी सख्ती के बीच पत्रकारों से हो रही बदसलूकी के कई मामले सामने आने लगे हैं। शहर के टेड़ी बाजार बैरियर, थाना राम जन्मभूमि मार्ग और अन्य प्रमुख चेकप्वाइंट्स पर तैनात कुछ पुलिसकर्मियों के व्यवहार पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय पत्रकारों के मुताबिक, कई बैरियर पर तैनात बाहरी फोर्स के जवान पत्रकारों से अभद्र व्यवहार कर रहे हैं। इससे क्षेत्र में मौजूद मीडिया प्रतिनिधियों में भारी नाराजगी है पत्रकारों का कहना है कि बड़ी गाडियों में घूमने वाले अधिकारियों और वीवीआईपी वाहनों को बिना रोक-टोक प्रवेश दिया जा रहा है, जबकि कवरेज के लिए निकले पत्रकारों को सिर्फ इसलिए रोका और डांटा जा रहा है क्योंकि वे मोटरसाइकिल से अपनी ड्यूटी पर जा रहे हैं।

देश के 53वें सीजेआई बने जस्टिस सूर्यकांत, राष्ट्रपति ने दिलाई शपथ

जी-20 समिट से लौटे पीएम मोदी भी समारोह में हुए शामिल

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली- जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार सुबह 10 बजे भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ ले ली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें सीजेआई पद पर शपथ दिलाई। जोहांसबर्ग से जी-20 समिट अटेंड करके लौटे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस समारोह में शामिल हुए। इस दौरान राजनाथ सिंह समेत केंद्रीय मंत्री शामिल हुए। जस्टिस सूर्यकांत के सीजेआई पद पर शपथ के साथ ही देश के सबसे ऊंचे ज्यूडिशियल ऑफिस में 15 महीने के कार्यकाल की शुरुआत आज से हो गई।

राष्ट्रपति ने सीजेआई गवई की सिफारिश के बाद संविधान के आर्टिकल 124 के क्लॉज (2) से दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जस्टिस सूर्यकांत को भारत का अगला चीफ जस्टिस नियुक्त किया था। जस्टिस गवई ने रविवार को 65 साल की उम्र में सीजेआई का पद छोड़ दिया। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के सबसे सीनियर जज को अपना उत्तराधिकारी बनाने की परंपरा को बनाए रखा।

सीजेआई सूर्यकांत का जन्म 10 फरवरी, 1962 को हरियाणा के एक मिडिल क्लास परिवार में हुआ था। उन्होंने 1984 में हिसार से अपनी लॉ यात्रा शुरू की और फिर पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने के लिए चंडीगढ़ चले गए। इस दौरान उन्होंने कई तरह के संवैधानिक, सर्विस और सिविल मामलों को संभाला, जिसमें यूनिवर्सिटी, बोर्ड, कॉर्पोरेशन, बैंक और यहां तक कि खुद हाई कोर्ट को भी रिप्रेजेंट किया।

सीजेआई सूर्यकांत का सफर

जुलाई 2000 में सूर्यकांत को हरियाणा का सबसे कम उम्र का एडवोकेट जनरल बनाया गया।

इसके बाद, 2001 में उन्हें सीनियर एडवोकेट बनाया गया और 9 जनवरी 2004 को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का परमानेंट जज बनाया गया।

जस्टिस सूर्यकांत अक्टूबर 2018 से 24 मई 2019 को सुप्रीम कोर्ट में अपनी पदोन्नति तक हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस के तौर पर काम किया।

नवंबर 2024 से वे सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विसेज कमेटी के चेयरमैन के तौर पर काम कर रहे थे।

24 नवंबर 2025 सुबह 10 बजे उन्हें देश के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर शपथ दिलाई गई।

हाई कोर्ट के जजों का चयन करने वाले तीन सदस्यीय कॉलेजियम में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया तथा जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस बी.वी. नागरत्ना सदस्य होंगे।जस्टिस सूर्यकांत का सीजेआई के रूप में लगभग 15 महीने का कार्यकाल है। कॉलेजियम में केवल एक बदलाव तब होगा जब जस्टिस माहेश्वरी 28 जून 2026 को सेवानिवृत्त होंगे।

सुप्रीम कोर्ट के जजों का चयन करता है कॉलेजियम

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत अब सुप्रीम कोर्ट के पांच सदस्यीय कॉलेजियम का नेतृत्व करेंगे। पांच और तीन सदस्यीय कॉलेजियम का पुनर्गठन पूर्व सीजेआई गवई की सेवानिवृत्ति के बाद एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। सीजेआई सूर्यकांत के अलावा पांच सदस्यीय कॉलेजियम में अब जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस बी वी नागरत्ना, जस्टिस जे के माहेश्वरी और जस्टिस एम एम सुंदरेश शामिल होंगे।

गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस पर शामिल होंगे पीएम मोदी

पीएम विशेष सिक्का और डाक टिकट जारी करेंगे

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को कुरुक्षेत्र में भगवान कृष्ण के पवित्र शंख को समर्पित स्मारक पांचजन्य का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही पीएम मोदी गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले एक विशेष कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान के मुताबिक, इसके बाद, मोदी महाभारत अनुभव केंद्र का दौरा करेंगे। यह एक गहन अनुभवात्मक केंद्र है, जहां महाभारत के महत्वपूर्ण प्रसंगों को प्रदर्शित किया गया है, जो इसके स्थायी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाते हैं।

बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री सिखों के नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री इस मौके पर एक विशेष सिक्का और डाक टिकट जारी करेंगे। सरकार एक वर्ष तक चलने वाला स्मरणोत्सव मना रही है। प्रधानमंत्री ब्रह्म सरोवर में दर्शन और पूजन करेंगे।

यह सरोवर भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में से एक है और माना जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का दिव्य ज्ञान यहीं दिया था। प्रधानमंत्री का यह दौरा कुरुक्षेत्र में चल रहे अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दौरान हो रहा है। यह महोत्सव 15 नवंबर को शुरू हुआ था और पांच दिसंबर तक चलेगा।

पीएम के आने को लेकर खुशी

प्रधानमंत्री मोदी के हरियाणा दौरे पर राज्य सरकार में मंत्री जेपी दलाल ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 तारीख को कुरुक्षेत्र आएंगे। गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि देने समेत कई प्रोग्राम प्लान किए गए हैं। गीता जयंती समारोह भी होगा, जिसमें लाखों लोगों के आने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के आगमन से हरियाणा में खुशी की लहर दौड़ती है। वे हमें एक नया रास्ता दिखाते हैं। वे दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं

बंटोगे तो कटोगे के बाद सीएम योगी का डेमोग्राफी बदलने का प्रयास वाला आरोप

2027 से पहले बड़ा संदेश

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ लोगों को राजनीतिक संदेश अपने भाषणों के जरिए देने में माहिर समझे जाते हैं। बिहार चुनाव के मैदान में उतर कर सीएम योगी ने पप्पू, टप्पू और अप्पू वाले बयान से विपक्षी नेताओं के बयानों की गंभीरता को कम करने की जिस रणनीति पर काम किया, वह काफी सफल रहा। इस बयान के बाद विपक्षी नेता इसकी काट ढूंढते रहे और लोगों के बीच संदेश पहुंच चुका था। जिस प्रकार से उन्होंने लोकसभा चुनाव 2024 के बाद बंटोगे तो कटोगे वाला नारा दिया था। भले ही यह नारा बांग्लादेश में हिंदुओं पर होने वाले हमलों को लेकर इंगित था, लेकिन संदेश देश में विभिन्न जातीय पॉकेट्स में बंटते मतदाताओं की भावनाओं को सीधा हिलाने वाला रहा। कई राज्यों के विधानसभा चुनावों और यूपी के उपचुनावों में यह प्रभावी रहा। अब सीएम योगी डेमोग्राफी बदलने की साजिश वाला बयान दे रहे हैं।

लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में आयोजित भव्य दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भाग लिया। इसमें उन्होंने समाज, राष्ट्र और मानवता के लिए धर्म, कर्तव्य और निष्काम कर्म के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि आज दुनिया में कुछ लोग सेवा को सौदे का माध्यम बना रहे हैं। ऐसे समय में श्रीमद्भगवद्गीता मानवता के लिए नई प्रेरणा बनकर सामने आती है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और विश्व में कुछ लोग लोभ, लालच, छल और छद्म का सहारा लेकर भारत की आत्मा पर प्रहार करने का प्रयास कर रहे हैं। ऐसे दौर में भगवान श्रीकृष्ण की वाणी गीता नई चेतना जगाती है। उन्होंने कहा कि गीता

कर्तव्य, धर्म और मानवता पर आधारित जीवनशैली को स्थापित करती है। यही मूल्य भारत को परम वैभव तक ले जा सकते हैं।

दरअसल, यूपी समेत देश के दर्जन भर राज्यों में इस समय मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसको लेकर बंगाल में लगातार विवाद सामने आ रहा है। यूपी में भी विपक्षी दलों की ओर से इसकी प्रक्रिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं, भाजपा का दावा है कि इससे अवैध मतदाताओं को छांटने में मदद मिलेगी। दरअसल, बिहार चुनाव से पहले एसआईआर को लेकर जमकर विवाद मचा। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर को लेकर वोट चोरी यात्रा तक निकाली। हालांकि, चुनावी मैदान में इसका कोई असर नहीं दिखा।

एनडीए एक बार फिर प्रदेश की सत्ता में दमदार वापसी करने में सफल रही। ऐसे में एसआईआर के जरिए फेक वोटर्स को मतदाता सूची से बाहर करने की रणनीति पर उठाए जा रहे सवालों को अब एक अलग रूप दिया जा रहा है। दरअसल, कई क्षेत्रों में जनसंख्या का असंतुलन बढ़ा है। एक वर्ग विशेष के वोटर्स में वृद्धि को डेमाग्राफी में बदलाव की साजिश के तौर पर भाजपा प्रस्तुत करती रही है। सीएम योगी ने इस पर खुलकर आरएसएस के कार्यक्रम में अपना विचार रखा।

राष्ट्र प्रथम की भावना आरएसएस ने जगाया

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हमेशा राष्ट्र प्रथम का भाव जगाया है। हर पीड़ित के साथ खड़े होना ही संघ की प्रेरणा है और यही भावना भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि सीएम योगी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले एक ब?ा संदेश देते दिख रहे हैं। साथ ही पार्टी और संगठन को एक साथ मिलकर काम करने और नेशन फर्स्ट की भावना पर काम करने की वकालत की है। साथ ही, डेमोग्राफी चेंज के मुद्दे के जरिए वे बंटोगे तो कटोगे को नारे को भी भविष्य में स्थापित करने का प्रयास करते दिख सकते हैं।